



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 538] नई दिल्ली, बुध्दिवार, अक्टूबर 13, 1988/आश्विन 21, 1910  
No. 538] NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 13, 1988/ASVINA 21, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

जल भूतल परिवहन मंत्रालय

(पलन पक्ष)

नई दिल्ली 13 अक्टूबर 1988

प्रधिसूचना

मा. का. नि. 1006(प्र). —केन्द्रीय सरकार, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38)  
विधारा 132 की उपधारा (i) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (i) द्वारा प्रवर्तन शक्तियों का प्रयोग  
करते हुए, कोचीन न्यासी मंडल द्वारा बनाए गए और इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में कोचीन पोर्ट  
पार्सियों का प्राधिकरण) संशोधन विनियम, 1988 का अनुमोदन करती है।

2. उक्त विनियम, इन परिच्छेदों के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्ति होंगे।

[फा. सं पी आर 12019 / 1 / 88 पी ई 1]

योगेश्वर नारायण, संयुक्त सचिव

### धनुषूची

महा एनन स्थल अधिनियम 1963 (1963 का 38) की धारा 28 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कोचीन पोर्ट (पाईलटों का प्राधिकरण) विनियम 1964 का संशोधन करने हुए कोचीन पोर्ट ट्रस्ट एक्ट द्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती है—

कोचीन पोर्ट (पाईलटों का प्राधिकरण) संशोधन नियम, 1988

- 1 इन विनियमों का नाम कोचीन पोर्ट (पाईलटों का प्राधिकरण) विनियम, 1988 है।
- 2 कोचीन पोर्ट (पाईलटों का प्राधिकरण) विनियम, 1964 में (इसके आगे उक्त विनियम के नाम व निविष्ट विनियम 17 में शब्द एवं अंक "क 3/—" के स्थान में शब्द एवं अंक "क० 25/—" प्रतिस्थापित किया जाएगा।

3. उक्त विनियमों में, विनियम 28 में उक्त विनियम (ई) के नीचे के स्पष्टीकरण के स्थान पर निम्नलिखित स्पष्टीकरण प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थात्—

"स्पष्टीकरण" : मास्टर या जूटो विधाने में अक्षम होने के संदर्भ में इस विनियम की उक्ति "मास्टर" का मतलब उसका काम करने के लिए जलयान के मालिक द्वारा विधिवत् प्राधिकृत मुख्य अधिकारी या कोई ठेक अधिकारी से है।"

काय दिव्यः— जी एन आर सं 316 दिनांक 29-2-1964 के अनुसार सरकारी राजपत्र में मूल विनियम प्रकाशित की गई है।

## MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

New Delhi, the 13th October, 1988

### NOTIFICATION

G.S.R. 1006 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124, read with sub-section (1) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Cochin Port (Authorisation of Pilots) Amendment Regulations, 1988 made by the Board of Trustees for the Port of Cochin and set out in the Schedule annexed to this notification

2 The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[F. No. PR-12019/1/88-PE.1]

YOGENDRA NARAIN, Jt Secy.

## SCHEDULE

In exercise of the powers conferred by Section 28 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), The Cochin Port Trust hereby makes the following regulations to amend the Cochin Port (Authorisation of Pilots), Regulations, 1964 :—

THE COCHIN PORT (AUTHORISATION OF PILOTS) AMENDMENT REGULATIONS 1988 :

1. These regulations may be called "The Cochin Port (Authorisation of Pilots) Amendment Regulations, 1988".

2. In the Cochin Port (Authorisation of Pilots) Regulations, 1964 (hereinafter referred to as the said regulations),

In regulation 17, for the word and figure "Rs. 3", the word and figures "Rs. 25/-", shall be substituted.

3. In the said regulations,

In regulation 28, for the explanation below sub-regulation (c), the following explanation shall be substituted, namely :—

"Explanation : In this regulation, the expression 'Master' shall include the Chief Officer or any Deck Officer holding a certificate of competency, duly authorised to act for the Master, by the owner of the vessel, in the event of the Master being incapacitated from performing the duties of his office".

FOOT NOTE : The principal regulations were published in the Gazette of India vide G.S.R. No. 316 dated 29-2-1964.

